विषय अनुक्रमणिका

अध्याय-1 : नयी कविता - पृष्ठभूमि, स्वरूप-विवेचन, नयी कविता के तत्व : काव्य का रूप तथा जीवन-दृष्टि **1 - 54**

अध्याय-2 : धर्मवीर भारती के प्रबन्ध-काव्य **55 - 147**

(क) अन्धायुग

(ख) कनुप्रिया

(ग) जीवन–दृष्टि एवं मूल्यबोध के सन्दर्भ में 'अन्धायुग' तथा 'कनुप्रिया'

अध्याय-3 : नरेश मेहता के प्रबन्ध-काव्य **148 - 220**

(क) संशय की एक रात

(ख) महाप्रस्थान

(ग) जीवन–दृष्टि एवं मूल्यबोध के सन्दर्भ में 'संशय की एक रात' तथा 'महाप्रस्थान'

अध्याय-4 : जगदीश गुप्त के प्रबन्ध-काव्य **221 - 266**

(क) शम्बूक–बध

(ख) गोपा–गौतम

(ग) जीवन–दृष्टि एवं मूल्यबोध के सन्दर्भ में 'शम्बूक–बध' तथा 'गोपा–गौतम'

अध्याय-5 : कुँवर नारायण तथा अन्य कवियों के प्रबन्ध-काव्य **267 - 337**

(क) आत्मजयी की प्रबन्धात्मकता

(ख) 'कालजयी' मे प्रबन्ध–तत्वं

(ग) जीवन–दृष्टि एवं मूल्यबोध के सन्दर्भ में 'आत्मजयी', 'कालजयी' एवं 'अग्निलीक' का मूल्यांकन

अध्याय-6 : नयी कविता की लम्बी कविताओं में जीवन दृष्टि एवं मूल्यबोध **338 - 396**

(क) असाध्य वीणा में प्रबन्धात्मकता की झलक

(ख) ब्रह्म राक्षस एवं 'अंधेरे में' की प्रबन्धात्मकता

(ग) 'पटकथा' में प्रबन्धात्मकता का सूत्र

(घ) जीवन–दृष्टि एवं मूल्यबोध के सन्दर्भ में 'असाध्य वीणा', 'ब्रह्म राक्षस', 'अंधेरे में' एवं 'पटकथा'

अध्याय-7 : उपसंहार-उपलब्धिगत विवेचन **397**

सन्दर्भ ग्रन्थ-सूची **398 - 399**

◆◆◆